राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान

National Institute for Locomotor Disabilities (Divyangjan)

(दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार**)**

Department of Empowerment of PwDs (Divyangjan), Ministry of Social Justice and Empowerment, Govt. of India

बी.टी.रोड, बनहुगली / **B.T. Road, Bon-Hooghly,** कोलकाता/**Kolkata-700090**

विश्व मल्टीपल स्केलेरोसिस दिवस 2025 पर रिपोर्ट

04 जून, 2025 को राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान के भौतिक चिकित्सा विभाग द्वारा विश्व मल्टीपल स्केलेरोसिस दिवस 2025 मनाया गया। इस विषय पर जागरुकता के सृजनार्थ अपराह्न 3:00 बजे से 4:45 बजे तक "माई एमएस डायग्नोसिस" थीम पर एक वेबिनार आयोजित किया गया। इस बेविनार के वक्ता थे डॉ. कौशिक कर्मकार, डीएनबी रेजिडेंट, बांगुर इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसांसेज, कोलकाता और श्रीमती लिपिका साहू, कनिष्ठ भौतिक चिकित्सक, अ.भा.आ.वि.सं.(एम्स), नागपुर।

कार्यक्रम का विवरणः कार्यक्रम की शुरुआत वर्चुअल दीप प्रज्वलन समारोह से हुई। रा.ग.दि.सं.(एनआईएलडी), कोलकाता के भौतिक चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष श्री प्रवीण कुमार ने स्वागत भाषण दिया। इसके साथ संस्थान के सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अमीद इकबाल ने श्रोताओं को संबोधित किया औऱ मल्टीपल स्केलेरोसिस के पैथो-फिजियोलॉजी औऱ निदान पर जानकारी दी। इसके उपरांत रागदिसं (एनआईएलडी) के निदेशक औऱ कार्यक्रम के संरक्षक डॉ. ललित नारायण ने समाज में जागरुकता के सृजन में ऐसे कार्यक्रमों के पालन की महत्ता पर जोर दिया।

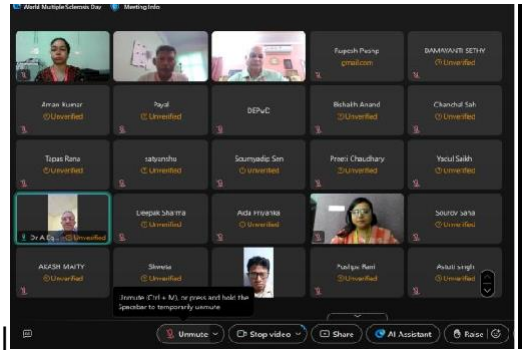

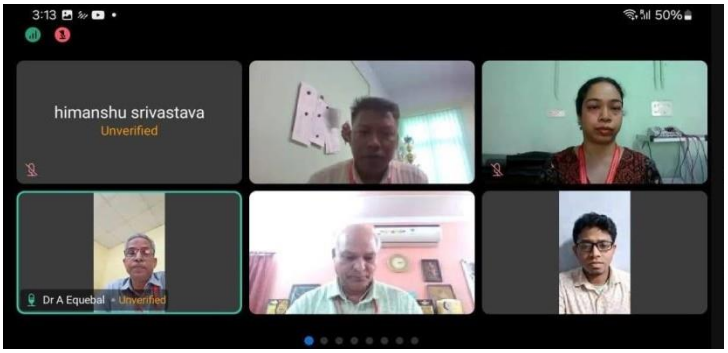

पहले सत्र में डॉ. कौशिक कर्मकार ने इस बीमारी के पैथोफिजियोलॉजिकल पहलू पर विस्तार से चर्चा की। विषय के अनुरुप उन्होंने बीमारी के निदान के लिए आवश्यक नैदानिक प्रक्रियाओं की बिन्दुओं पर प्रकाश डालते हुए इमेजिंग और बायोमार्कर पर विस्तार से चर्चा की।

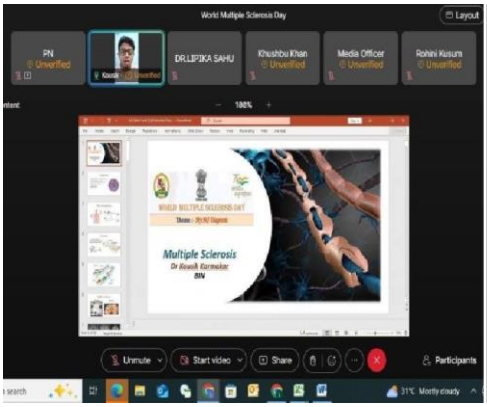

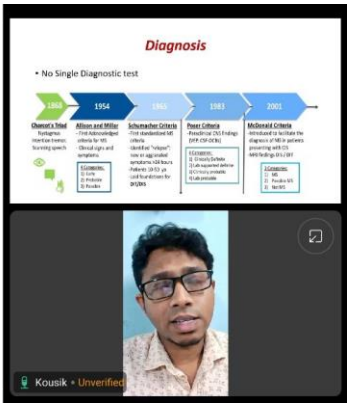

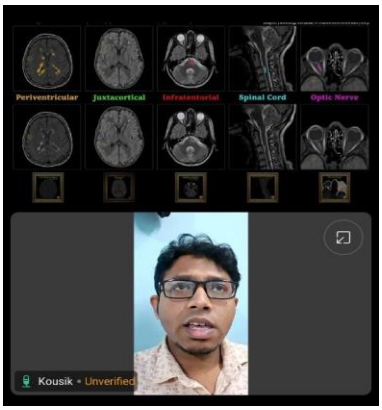

दूसरे सत्र में श्रीमती लिपिका साहू ने व्याख्यान दिया। श्रीमती साहू ने रोग के मूल्यांकन और भौतिक चिकित्सीय प्रबंधन पर विस्तृत चर्चा की । दोनों सत्रों के उपरांत प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किए गए।

इस वेबिनार में संस्थान के स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों, कर्मिको और पुनर्वास पेशेवरों सहित कुल 80 प्रतिभागियों ने सहभागिता किया था। रागदिसं (एनआईएलडी), कोलकाता की प्राध्यापक सुश्री पत्रलेखा नाथ कार्यक्रम के संचालन के साथ उपस्थित सभी को धन्यवाद दिया। तकनीकी सहायता रागदिसं (एनआईएलडी), कोलकाता के सू.प्रौ. (आईटी) अनुभाग द्वारा प्रदान की गई औऱ इस वेबिनार का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।